हिंदी रचनात्मक लेखन समिति: सृजन
वार्षिक रिपोर्ट
(जनवरी 2021- दिसंबर 2021)

समिति संयोजक: डॉ. सुषमा सहरावत
परिषद् अध्यक्ष: साक्षी झा

विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को उभारने हेतु कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की हिंदी रचनात्मक लेखन समिति 'सृजन' वर्षभर में अनेक प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं और संगोष्ठियो का आयोजन करती है। विद्यार्थी हिंदी भाषा में विविध विधाओं के लेखन के माध्यम से अपनी रचनात्मक क्षमता को उजागर कर सकते हैं.

'सृजन' द्वारा आज **06 जनवरी 2021**को नव वर्ष की छात्राओं के लिए "**नवागत अंतः महाविद्यालय संस्मरण लेखन एवं वाचन प्रतियोगिता**" का आयोजन किया गया।छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। छात्राओं का विषय चयन नवीन एवं प्रभावशाली था।प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. मनोज कुमार और डॉ. संतोष कुमार उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता में प्रथम , द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के साथ ही तीन प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किए गए- प्रथम पुरस्कार-साधना (बी.ए राजनीतिक विज्ञान) द्वितीय पुरस्कार-नेहा मिश्रा (बी.कॉम प्रोग्राम) तृतीय पुरस्कार- रितिका गौर (बी.ए. इतिहास विशेष) पहला प्रोत्साहन पुरस्कार- गुड़िया पांडे (बी.कॉम प्रोग्राम) -द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार- मान्या महाजन (बी.ए. मनोविज्ञान) तृतीय प्रोत्साहन पुरस्कार- प्रेरिता पटवल (बी.ए प्रोग्राम प्रथम वर्ष) प्रतियोगिता में सभी

प्रतिभागियों की रचनात्मकता प्रभावित करने वाली रही।
विषय वैविध्य और प्रभावशाली प्रस्तुतिकरण से युक्त आज की यह संस्मरण लेखन प्रतियोगिता यादगार अनुभव बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित प्राध्यापकों , निर्णायक गण, छात्राओं एवं श्रोताओं का हार्दिक धन्यवाद जिनके सहयोग से ही यह कार्यक्रम सफल हो सका।

'सृजन' समिति द्वारा **09 एवं 10 अप्रैल 2021** को **दो दिवसीय 'अंतर्महाविद्यालय गद्य विधा रचनात्मक लेखन कार्यशाला'** का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. कार्यशाला का शुभारम्भ मंगलाचरण गायन के साथ हुआ. कार्यशाला के प्रथम दिन अर्थात **09 अप्रैल 2021** को हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की **प्रोफेसर मंजु मुकुल** आमंत्रित थीं। उनका स्वागत करते हुए सृजन समिति

की संयोजक डॉ. सुषमा सहरावत ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उसकी रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रो. मंजु मुकुल के परिचय का पठन सृजन समिति की छात्रा सचिव तिलित्मा ने किया. प्रो. मंजु ने अपनी प्रस्तुति में **रेखाचित्र, यात्रा संस्मरण और लघु कथा लेखन** की बारीकियों एवं तकनीकी आवश्यकताओं पर प्रकाश डाला. उन्होनें रचनाशीलता को एक सजग जीवन दृष्टि से जोड़ कर देखा और कल्पनाशीलता के महत्व को रेखांकित किया. लेखक की सतत मानसिक तैयारी एवं निरीक्षण क्षमता को उन्होंने महान रचनाकारों के जीवंत प्रसंगों से स्पष्ट किया. लघुकथा की मारकता को उन्होंने प्रभावशाली उदाहरण देकर प्रस्तुत किया. साथ ही निर्मल वर्मा, अज्ञेय, महादेवी की रचनाओं से उदाहरण देकर उन्होंने यात्रा संस्मरण तथा रेखाचित्र विधाओं की रचनात्मक बारीकियों को समझाया.प्रो. मंजु मुकुल की प्रस्तुति उत्साहपूर्ण, जीवन्त और ऊर्जा से भरपूर थी. कार्यक्रम का संचालन सृजन समिति की छात्रा उपाध्यक्ष साक्षी झा ने किया.कार्यशाला के उपरांत विद्यार्थियों के लिए एक प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी जिसमें अनेक प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की. 'सृजन' समिति के

सदस्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रो. मंजु मुकुल का धन्यवाद ज्ञापन किया.

कार्यशाला के दूसरे दिन **10 अप्रैल 2021** को मानविकी कला संकाय, इग्नू के प्रोफेसर एवं **वरिष्ठ आलोचक जितेन्द्र श्रीवास्तव** आमंत्रित थे. सृजन समिति की संयोजक डॉ. सुषमा सहरावत ने प्रो. श्रीवास्तव का स्वागत करते हुए कार्यशाला के दूसरे दिन की रूपरेखा को स्पष्ट किया. प्रो. श्रीवास्तव का परिचय पाठ सृजन समिति की उपाध्यक्ष साक्षी झा ने किया. प्रो. श्रीवास्तव ने

अपनी प्रस्तुति में रचनाशीलता को नदी के प्रवाह की तरह निरंतरता से पूर्ण बताया. प्रो. श्रीवास्तव ने **डायरी लेखन , व्यंग्य रचना और रिपोर्ताज** विधाओं की रचनात्मकता पर प्रकाश डाला. उन्होंने मोहन राकेश की डायरी के हवाले से डायरी लेखन की बारीकियां समझाई. व्यंग्य लेखन का जिक्र करते हुए प्रो. श्रीवास्तव ने हास्य और व्यंग्य में अंतर स्पष्ट करते हुए फूहड़ हास्य को व्यंग्य स मझ लेने की गलती से आगाह किया. उन्होंने हरिशंकर परसाई, शरद जोशी, ज्ञान चतुर्वेदी की रचनाओं से उदहारण देते हुए व्यंग्य हेतु विडम्बना बोध को पकड़ने वाली दृष्टि को विकसित करने पर बल दिया. प्रो. श्रीवास्तव की प्रस्तुति सरस, जीवंत और आत्मीयता से पूर्ण थी और एक धारदार संवाद की तरह थी. दूसरे दिन की कार्यशाला का सञ्चालन सृजन समिति की सचिव तिलित्मा ने किया. सृजन'

समिति के सदस्य डॉ. मनोज कुमार ने प्रो. श्रीवास्तव का धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यशाला के उपरान्त दूसरे दिन भी विद्यार्थियों के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की गयी. कार्यशाला में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया. दो दिवसीय कार्यशाला के समापन के अवसर पर सृजन समिति के शिक्षक सदस्यों -डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कुमारी अनीता तथा डॉ. नीरू कुमारी के अतिरिक्त छात्रा सदस्यों- गायत्री, साक्षी और तिलित्मा ने अपने विचार साझा किये.
अंत में संयोजक डॉ. सुषमा सहरावत ने प्राचार्य महोदया डॉ. कल्पना भाकुनी, आमंत्रित रचनाकारो, विद्यार्थियों, प्रतिभागियों एवं समिति सदस्यों का विधिवत धन्यवाद् एवं आभार ज्ञापन किया.

सृजन समिति ने वर्ष 2021 में जुलाई से आरम्भ हुए नए सत्र का प्रारंभ अपनी नवीन छात्रा परिषद् का गठन करते हुए किया. इसके लिए गूगल मीट पर चयन प्रक्रिया संपन्न की गई. चयनित छात्रा परिषद् का विवरण इस प्रकार है-

अध्यक्ष : साक्षी झा
(हिंदी विशेष) तृतीय वर्ष
उपाध्यक्ष : अनन्या पाण्डेय
(हिंदी विशेष) तृतीय वर्ष
सचिव : प्रिया शुक्ला
(हिंदी विशेष) तृतीय वर्ष
उप सचिव : मोनिका यादव
(बी ए प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष
कोषाध्यक्ष : महिमा
(हिंदी विशेष) तृतीय वर्ष
सह-कोषाध्यक्ष : जायत्री
(बी.कॉम विशेष) द्वितीय वर्ष
सोशल मीडिया हेड : रितिका गौर
(हिस्ट्री ऑनर्स) द्वितीय वर्ष
सोशल मीडिया वाईस हेड : वरदा गोयल
(दर्शनशास्त्र विशेष) द्वितीय वर्ष
सोशल मीडिया टीम
निधि
(हिंदी विशेष) तृतीय वर्ष
जूही कुमारी
(हिंदी विशेष) तृतीय वर्ष

सृजन समिति के शिक्षक सदस्यों डॉ. सुषमा सहरावत (संयोजक), डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कुमारी अनीता तथा डॉ. नीरू कुमारी ने उपरोक्त नव चयनित सदस्यों का समिति परिषद् में हार्दिक स्वागत किया.

सृजन समिति 2021-2022

'सृजन 'द्वारा **'हिंदी दिवस 'के उपलक्ष्य में "अंतर महाविद्यालय कविता लेखन एवं वाचन प्रतियोगिता" का आयोजन 15 सितंबर 2021 को** अपराह्न 1:00 बजे से ज़ूम प्लेटफार्म पर किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ सृजन समिति की सदस्य प्रिया शुक्ला द्वारा मंगलाचरण के रूप में श्री गणेश वंदना से हुआ। इसके बाद कार्यक्रम का आगाज़ 'सृजन' समिति की संयोजक डॉ. सुषमा सहरावत द्वारा निर्णायक मंडल और सभी प्रतिभागियों के विधिवत् स्वागत से हुआ । प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका में राजधानी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.जसवीर त्यागी और गार्गी कॉलेज की

एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. स्वाति श्वेता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन 'सृजन 'समिति की सदस्य साक्षी झा, अनन्या और महिमा द्वारा बखूबी किया गया। प्रतियोगिता का परिणाम घोषित करने से पहले निर्णायक गण ड्रा. जसवीर त्यागी और ड्रा. स्वाति श्वेता ने अपने अनुभवों और कविताओं से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को साझा किया।

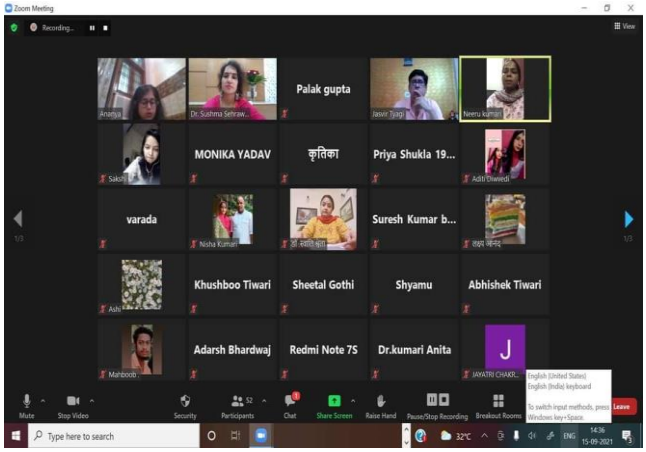

प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा : प्रथम पुरस्कार - अक्षिता मिश्रा, बी.ए. (प्रोग्राम) द्वितीय वर्ष, मोतीलाल नेहरू कॉलेज. द्वितीय पुरस्कार - लक्ष्य आनंद, इतिहास (विशेष) द्वितीय वर्ष, रामजस कॉलेज. तृतीय पुरस्कार - महबूब, हिंदी (विशेष) तृतीय वर्ष, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज. प्रोत्साहन पुरस्कार (1)- वसुंधरा पांडेय, कमला नेहरू कॉलेज. प्रोत्साहन पुरस्कार (2)- कृतिका विरवाल, मैत्रेयी कॉलेज. प्रतियोगिता में दिल्ली विश्वविद्यालय के लगभग 65 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और अपने कविता वाचन से सभी को प्रभावित किया। तत्पश्चात 'सृजन' समिति के शिक्षक सदस्य डॉ. मनोज कुमार ने निर्णायक मंडल का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। अंत में कार्यक्रम का समापन समिति की संयोजक डॉ सुषमा सहरावत द्वारा सभी प्रतिभागियों तथा 'सृजन' समिति के कार्यकर्ताओं के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

सृजन' द्वारा 2021 की नवागंतुक (प्रथम वर्ष) छात्राओं के लिए **ओरिएंटेशन प्रोग्राम** दिनांक **27 नवंबर 2021, शनिवार, प्रातः 10:00 बजे से 11:00 बजे तक गूगल मीट पर** आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 40 छात्राएं उपस्थित थीं। सबसे पहले कार्यक्रम का प्रारंभ 'सृजन' समिति की अध्यक्ष साक्षी झा और उपाध्यक्ष अनन्या पांडे द्वारा हुआ। इसके बाद कार्यक्रम की संयोजक डॉ. सुषमा सहरावत द्वारा सभी छात्राओं को 'सृजन' समिति में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने हिंदी भाषा के विकास और दैनिक जीवन में हिंदी भाषा की भूमिका और उसके महत्व पर विचार साझा किए।

कार्यक्रम के समापन के अवसर पर 'सृजन' समिति के अन्य शिक्षक सदस्यों डॉ मनोज कुमार, डॉ कुमारी अनीता, तथा डॉ नीरु कुमारी के अतिरिक्त छात्रा सदस्यों मोनिका यादव, जायत्री चक्रवर्ती, रितिका गौर, जूही कुमारी तथा निधि ने भी अपने विचार साझा किए। अंत में शिक्षक संयोजक डॉ सुषमा सहरावत ने समिति सदस्यों एवं नवागंतुक छात्राओं को बधाई देते हुए विधिवत रूप से धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया।

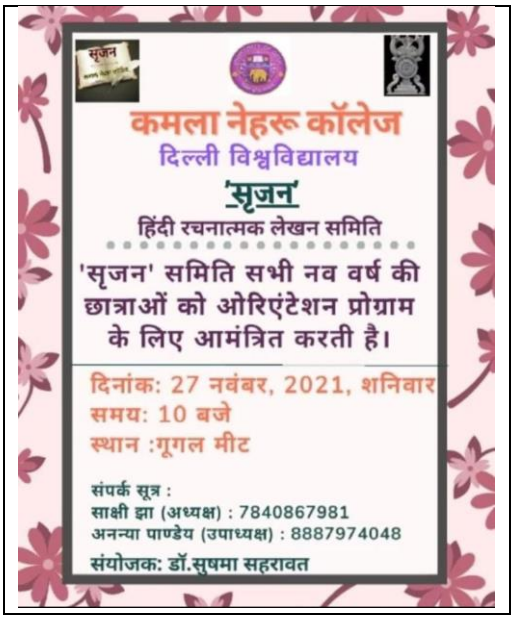

"सृजन" समिति द्वारा **'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन** ऑनलाइन प्लेटफार्म ज़ूम पर दिनांक **29 दिसम्बर 2021** को किया गया. इसके अंतर्गत

'पटकथा लेखन : प्रारूप एवम प्रक्रिया' विषय पर तकनीकी, सैधान्तिक और व्यावहारिक प्रस्तुतीकरण का आयोजन किया गया . इस अवसर पर **'आत्मनिर्भर भारत' विषय पर पटकथा लेखन राष्ट्रीय प्रतियोगिता का भी आयोजन** किया गया. कार्यशाला में देश के अनेक विश्वाविद्यालयों से **100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।** कार्यक्रम का शुभारंभ समिति की संयोजक डॉ. सुषमा सहरावत द्वारा स्वागत वक्तव्य से हुआ। तत्पश्चात हिंदी विशेष तृतीय वर्ष की छात्रा प्रिया शुक्ला द्वारा मंगलाचरण के रूप में सरस्वती वंदना गायन किया गया। समिति की छात्रा अध्यक्ष साक्षी झा द्वारा कार्यशाला का संचालन किया गया. संयोजक डॉ. सुषमा सहरावत द्वारा कार्यशाला के **प्रस्तुतकर्ता प्रो. पूरन चंद टंडन** का विधिवत् स्वागत किया गया तथा छात्रा सदस्य जायत्री चक्रवर्ती ने प्रो. टंडन का परिचय देकर उन्हें सादर आमंत्रित किया। प्रो. टंडन ने अपनी प्रस्तुति में पटकथा की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसकी प्रासंगिकता और महत्व को बताया।उन्होंने मध्य कालीन और आधुनिक साहित्य से कवियों, नाटककारों और लेखकों की रचनाओं से तथा फिल्मों और नेटफ्लिक्स, अमेज़न की पटकथाओं के

उदाहरणों से पटकथा की सैद्धांतिकी को स्पष्ट किया. उन्होंने केशवदास की 'रामचन्द्रिका ' के उदाहरण से संवाद लेखन की कला को भी स्पष्ट किया. उनके अनुसार पटकथा के माध्यम से हम कम शब्दों में अधिक बात प्रदर्शित करते हैं।यहां 'गागर में सागर होना' लोकोक्ति का सटीक होना अतिशयोक्ति नहीं

होगी। उन्होंने 'न छोड़ो न जोड़ो' के सिद्धांत की बात के माध्यम से पटकथा में मौलिकता को अक्षुण्ण बनाये रखने की बात पर बल दिया। प्रो. टंडन ने पटकथा लेखन के आंतरिक पहलुओं को अत्यंत प्रभावी तरीके से उजागर किया और पटकथा लेखन के प्रारूप एवम प्रक्रिया पर अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति दी। तत्पश्चात समिति की संयोजक डॉक्टर सुषमा सहरावत ने टंडन जी का धन्यवाद एवम आभार व्यक्त किया. कार्यशाला के अगले चरण में समिति की शिक्षक सदस्य डॉ. नीरू ने रंगकर्मी, नाटककार एवं पटकथा लेखक डॉ.हिरण्य हिमकर का विधिवत् स्वागत किया. डॉ. हिमकर ने अपने वक्तव्य में पटकथा के व्यावहारिक पक्ष पर ध्यान केंद्रित किया।

उन्होंने पटकथा का संक्षेप में अर्थ समझाते हुए बताया कि यह कहानी से किस तरह भिन्न हैं? उन्होंने पटकथा के सूक्ष्म बिंदुओं पर अपने विचार रखे और जनरुचि, दृश्य, कल्पना, एवं दृश्य को मानसिक जगत में देखने को पटकथा लेखक का महत्वपूर्ण गुण बताया. हिमकर जी ने कई पहलुओं जैसे व्यावसायिक ,सामाजिक , आर्थिक, शैक्षणिक, तकनीकी,राजनीतिक दृष्टि से अपने विचार रखे और कार्यशाला को अत्यंत रोचक बनाया । इसके बाद समिति के शिक्षक सदस्य डॉ. मनोज कुमार ने हिमकर जी का विधिवत् धन्यवाद किया.प्रश्नोत्तर सत्र में प्रो. टंडन और डॉ. हिमकर ने उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया। अंत में, संयोजक डॉ. सुषमा सहरावत ने सभी प्रतिभागियों , शिक्षकों एवं छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित करके कार्यक्रम का समापन किया । पटकथा लेखन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे- प्रथम पुरस्कार : शीतल गोठी, जेडीएमसी , दि.वि. द्वितीय पुरस्कार : श्रुतिका गंगन, मुंबई यूनिवर्सिटी. तृतीय पुरस्कार : केशव सोनी,श्यामलाल कॉलेज , दि.वि. प्रोत्साहन पुरस्कार - 1) गोल्डी मिश्रा, लेडी इरविन कॉलेज , दि.वि.2) शांभवी राय ,सत्यवती कॉलेज,दि.वि. कुल मिलाकर,यह कार्यशाला अत्यंत गुणवत्तापूर्ण, भागीदारीपूर्ण, लाभदायक तथा एक शानदार सीखने वाला अनुभव रही.

'सृजन' की प्रतिभावान छात्राएं

'सृजन' समिति की प्रतिभावान सदस्यों ने विगत दो वर्षों में विविध महाविद्यालयों में अनेक पुरस्कार जीतकर कॉलेज और समिति का नाम रोशन किया है . इनके नाम है:

महिमा
हिन्दी विशेष (तृतीय वर्ष)

1. अंतर्रागिनी हिन्दी क्रिएटिव राइटिंग, IIT Kanpur 2020, 2nd Prize

2. एंजीफेस्ट, DTU, हिन्दी रचनात्मक लेखन, 2020 1st Prize

3. पल्स, AIIMS Delhi, हिन्दी क्रिएटिव राइटिंग, 2021, 1st Prize

4. अंतर्रागिनी, हिन्दी क्रिएटिव राइटिंग, IIT Kanpur 2021, 3rd Prize

5. हिन्दी कविता लेखन, शिवाजी कॉलेज Shivaji College, 2021, 2nd Prize

6. हिन्दी स्क्रिप्ट लेखन प्रतियोगिता, KNC, 2021, 2nd Prize

7. हिन्दी नारा लेखन प्रतियोगिता, Lady Shri Ram College, 2020, 3rd Prize

8. हिन्दी क्रिएटिव राइटिंग प्रतियोगिता, St. Xavier's College, Ranchi, 2020, 1st Prize

9. हिन्दी एकांकी लेखन, Ranchi University, हिन्दी विभाग, 2021, 2nd Prize

10. दिल्ली पोएट्री स्लैम (हिन्दी), Special Mention, 2020.

11. दिल्ली पोएट्री स्लैम (हिन्दी), Special Mention, 2021.

12. Mood Indigo, IIT Bombay, हिन्दी क्रिएटिव राइटिंग, फाइनलिस्ट, 2020.

13. हिन्दी रचनात्मक लेखन, मोती लाल नेहरू कॉलेज, 2nd Prize, 2021.

14. स्वास्थ्य मंत्रालय × हंसराज कॉलेज राष्ट्रीय क्विज़ व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, 1st Prize, 2021

सौम्या श्रीवास्तव

बी. ए. पोलिटिकल साइंस विशेष

प्रथम वर्ष

12 Jan,2022 अनुच्छेद लेखन प्रतियोगिता, राष्ट्रीय युवा दिवस NSS Unit देशबंधु महाविद्यालय : तृतीय स्थान

वैष्णवी राजपूत

कोर्स -B.A program (Hindi and Sanskrit)

प्रथम वर्ष

1)टी. एम. पी. इंस्टा पोएट्री माइक - प्रथम स्थान
2) नेशनल लेवल पोएट्री कांटेस्ट 6th edition - 38वा स्थान
3) नेशनल लेवल पोएट्री कांटेस्ट 5th edition - भारत के शीर्ष 100 कवियों में से एक.
4) आत्मा राम सनातन धर्म कॉलेज , ओपन माइक प्रतियोगिता - प्रथम पुरस्कार

तान्या त्रेहान

बी. ए पोलिटिकल साइंस विशेष

प्रथम वर्ष

4 Mar 2022 , काव्यपाठ प्रतियोगिता, गार्गी महाविद्यालय : सांत्वना पुरस्कार

•